भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 6047

01.04.2026 को उत्तर देने के लिए

चंडीगढ़ में नवाचार और वैज्ञानिक अनुसंधान अवसंरचना को प्रोत्साहन

†6047. श्री मनीश तिवारीः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने चंडीगढ़ में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार केन्द्रों और प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन केन्द्रों को प्रोत्साहन देने के लिए कोई पहल की है;

(ख) क्या चंडीगढ़ में स्थित विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और प्रौद्योगिकी केन्द्रों जैसे संस्थानों को स्टार्टअप इंडिया, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड या राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान जैसी योजनाओं के अंतर्गत निधि प्राप्त हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान चंडीगढ़ में सरकार द्वारा सहायता प्राप्त अनुसंधान अनुदानों, नवाचार समूहों, स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन केन्द्रों, प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों और अनुसंधान अवसंरचना परियोजनाओं का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का इस क्षेत्र के अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए चंडीगढ़ में नई अनुसंधान सुविधाओं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पार्कों, नवाचार केन्द्रों या प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना करने या उनके विकास में सहायता करने का विचार है; और

(ङ) चंडीगढ़ में स्थित संस्थानों के माध्यम से उद्योग-अकादमिक सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अनुसंधान परिणामों के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग): भारत सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) और स्टार्टअप इंडिया पहल के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से चंडीगढ़ सहित पूरे देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को प्रोत्साहित किया है। शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान परियोजनाओं, इनक्यूबेशन केंद्रों, नवाचार केन्द्रों, अनुसंधान अवसंरचना और उद्यमिता विकास के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने देश भर के शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) और प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्रों (टीईसी) की स्थापना के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास, प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग और औद्योगिक अंगीकरण को प्रोत्साहित किया है। चंडीगढ़ क्षेत्र में, डीएसटी ने चितकारा विश्वविद्यालय में अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों में एक उत्कृष्टता केंद्र और पंजाब विश्वविद्यालय तथा चितकारा विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्रों को सहायता प्रदान की है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने जैव चिकित्सीय उपकरण विकास और अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान अवसंरचना के लिए पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) में 'बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स एंड डिवाइसेस हब' की स्थापना की है। पिछले 5 वर्षों के दौरान, डीएसटी ने चंडीगढ़ में 45 अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान, डीबीटी ने चंडीगढ़ में 35 अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है। डीबीटी के पीएसयू, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआऱएसी) ने पंजाब विश्वविद्यालय में एक बायोनेस्ट बायो-इनक्यूबेटर और एक ई-युवा केंद्र स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, बीआईआऱएसी ने चंडीगढ़ में बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) योजना के अंतर्गत 7 स्टार्टअप और सतत उद्यमिता एवं उद्यम विकास (सीड) निधि के अंतर्गत 2 स्टार्टअप्स को भी सहायता दी है।

चंडीगढ़ स्थित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं, नामत: सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ) और सीएसआईआर-सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटीईसीएच) ने अनुसंधान एवं विकास सहयोग, स्टार्टअप परिसंवाद, उद्योग-शैक्षणिक संवाद, कर्मानुभव आधारित शिक्षुता, कौशल विकास कार्यक्रमों, संपर्क गतिविधियों और चंडीगढ़ क्षेत्र नवाचार एवं ज्ञान समूह (सीआऱआईकेसी) के माध्यम से अंतर विषयक सहयोग द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित किया है।

अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एएनआऱएफ) चंडीगढ़ स्थित संस्थानों सहित देश भर के संस्थानों के लिए खुले प्रतिस्पर्धी अनुसंधान वित्तपोषण कार्यक्रमों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार पारितंत्र को प्रोत्साहित करता है। एएनआऱएफ के अनुसंधान वित्तपोषण कार्यक्रमों के अंतर्गत पंजाब विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, सीएसआईआर-इमटेक, सीएसआईआर-सीएसआईओ, और चंडीगढ़ के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जैसे संस्थानों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे मूल अनुसंधान अनुदान, स्टार्टअप अनुसंधान अनुदान, नेशनल पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप, एसईआरबी-पावर अनुदान, रामानुजन फेलोशिप, मैट्रिक्स और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए शिक्षक संगठन के माध्यम से सहायता प्राप्त की है। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत चंडीगढ़ स्थित संस्थानों में अनुसंधान परियोजनाओं, अनुसंधान अवसंरचना,अध्येतावृत्ति और नवाचार पारितंत्र के विकास के लिए सहायता दी जाती है। विगत पांच वर्षों के दौरान, अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एएनआऱएफ) ने चंडीगढ़ स्थित संस्थानों

की 8 अनुसंधान परियोजनाओं को लगभग ₹19.70 करोड़ की कुल स्वीकृत लागत के साथ सहायता प्रदान की है, और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बीआईआरएसी) ने चंडीगढ़ के 27 स्टार्टअप्स और उद्योग-शैक्षणिक सहयोगात्मक नवाचार परियोजनाओं को लगभग ₹34.62 करोड़ की कुल स्वीकृत राशि के साथ सहायता प्रदान की है।

चंडीगढ़ की सहायता प्राप्त परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(घ) सरकार ने चंडीगढ़ सहित देश भर में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों की गुणवत्ता और महत्व के आधार पर, अनुसंधान अवसंरचना, नवाचार केंद्रों, इनक्यूबेशन केंद्रों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्कों की स्थापना और उन्हें सुदृढ़ करने के लिए सहायता प्रदान की है। विगत पांच वर्षों में, चंडीगढ़ के चार शैक्षणिक संस्थानों– पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च और पंजाब विश्वविद्यालय–को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना विकास योजनाओं जैसे 'विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में एस एंड टी अवसंरचना सुधार कोष' (फिस्ट), 'विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन' (पर्स) और 'परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाएं (सैफ) के अंतर्गत सहायता प्रदान की गई है।

(ङ) सरकार ने सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटरों, बायो-नेस्ट इनक्यूबेटरों, उत्कृष्टता केंद्रों, प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्रों, स्टार्टअप सहायता कार्यक्रमों, प्रौद्योगिकी विकास एवं व्यावसायीकरण कार्यक्रमों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी पहलों के माध्यम से उद्योग-शैक्षणिक सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अनुसंधान परिणामों के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रौद्योगिकी विकास, बौद्धिक संपदा सृजन, उद्योग सहयोग और अनुसंधान परिणामों के व्यावसायीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए पंजाब विश्वविद्यालय और चितकारा विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों में प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र स्थापित किए हैं। जैव प्रौद्योगिकी विभाग बीआईआरएसी के माध्यम से एसबीआईआरआई और पीएसीई जैसे कार्यक्रमों और बायो-नेस्ट इनक्यूबेटरों के जरिए उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को सहायता प्रदान करता है। एएनआरएफ ने इलेक्ट्रिक वाहन मिशन, 2डी सामग्री नवोन्मेष केंद्र, मेडटेक मिशन और विज्ञान एवं इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे मिशन-उन्मुख कार्यक्रम भी आरंभ किए हैं, जो उद्योग-शैक्षणिक सहयोग और प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए उद्योग की भागीदारी और लागत साझाकरण को अनिवार्य बनाते हैं।

अनुलग्नक-I

चंडीगढ़ में सहायता प्राप्त अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	**संगठन**	**वित्तीय वर्ष**	**परियोजनाओं की संख्या**	**स्वीकृत राशि (लाख रु. में)**
1	**जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी)**	2021-22	7	1480.92
2		2022-23	6	811.5
3		2023-24	6	569.45
4		2024-25	2	154.05
5		2025-26	6	446.07
6	**विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)**	2021-22	2	121.64
7		2022-23	6	391.10
8		2023-24	24	3202.06
9		2024-25	3	202.44
10		2025-26	10	1466.67

*****